स्क्यान कैके
पहुरा थारु दैनिकके अनलाइन न्यूज ओ ओकरभिट्टर डारल इ-पेपरमे देशविदेशसे हमार अनलाइन न्यूज ओ पत्रिका पहे सेक्बी ।

थारू भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २४ अंक ५१ वि.सं. २०८३ भदौ २० गते शनिच्चर थारु सम्वत (२६४९) [Saturday 05 September 2026] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

थारु समुदाय अस्टिम्की मनैलैं

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १९ भदौ । थारु समुदायसे शुकके रोज अस्टिम्की टिहुवार मनैले बटै ।

थारु समुदायके घरमे भगवान श्रीकृष्णसहित मानव जातीके जन्मसे मृत्युसमके क्रियाकललाप दर्शैना चित्र बनाके पूजा कैटी पहिल रोज अस्टिम्की टिहुवार मनागिल हो । थारु समुदायके घर-घरमे रहल बहरीके भिटा अथवा डेहरीमे अस्टिम्कीके अवसरमे मानव जातीके जन्मसे मृत्युसम कैना क्रियाकलापके चित्रके माध्यमसे डेखैना करल थारु कल्याणकरिणी सभाके केन्द्रीय उपाध्यक्ष प्रभातकुमार चौधरी बटैलै ।

महिला पुरुष डुनु जाने अस्टिम्कीके अवसरमे चित्र बनैना करठै । विशेष कैके यी दिन व्रतालु महिला चित्र बनैनामे बेफुर्सदिला बनल रहठै । "ब्रम्ह मूहर्तमे दर खाइलपाछे घरमे रहल बहरी (बैठक) कोठामे व्रतालु थारु महिला अपने हाठसे कान्हा अर्थात भगवान श्रीकृष्णके चित्रसहित अन्य लोक चित्र बनैना करठै" उहाँ कहलै, "महिलाहुक्रे बनाइ नैजानल ठाउँमे पुरुष जाके चित्र बनैना करठै ।" चित्र बनाइबर पश्छिउ ओर चन्द्रमा, पुरुबओर सूर्य, मच्छी, लट्ठी, गेगटा, सँप्वा, कुकरा, रुखुवामे बैठल बन्दरा, केच्ना, खेचुहीया,

हठिया, घोरुवा, गोरु, उँट, मुर्गी, मजोर, विच्छी, वासुकि नागलगायतके जलचर ओ थलचर प्राणीके चित्र बनैना करजाइठ् । चित्र बनैना बीच भागमे दुलही पठाइबर दुलहीहे लैजुइया डोली बोकुइया सहितके डोलीके समेत चित्रके माध्यमसे डेखैना करजाइठ् । डेहरी ओ भिटामे इ चित्र बनैना करल उहाँ बटैलै । "पहिले महिला किल अस्टिम्कीके बेला चित्र बनैना करिँट" उहाँ कहलै, "हाल पुरुष समेत चित्र बनैना करल बाटै ।" सिलौटामे पिसल चाउर, भिटा अथवा डेहरीमे पोटलपाछे परम्परागत तरिकासे बाँसके सिँकामे कपास लगाके रंगमे डुबाके चित्र बनैना करल रलेसे फेन हाल बजारमे पैना रंग प्रयोग कैके चित्र बनैना करल उहाँके कहाइ रहल बा । सृष्टीके रचनासे मानव जातिहे बाँचक लाग आवश्यकपर्ना वस्तुबारे चित्रके माध्यमसे व्यक्त कैना हुइल ओरसे थारु समुदायके लोक चित्रकलाके महत्व रहल बा ।

थारु समुदाय प्रकृति पुजारीके रुपमे रहल ओरसे पाँच हजार बरस आघेसे चित्र बनैना कलाके सुरुवात हुइल बटाइल बा । पहिले थारु समुदाय अष्टिम्कीके बेला बनैना चित्रके लाग सिमके पटियासे हरियर, खयरसे कत्थइ, पुँइक बियासे लाल, सुखाइल लौका आगीमे जराके करिया रङ बनैना करिट । अष्टिम्कीमे चित्रमे लगैना रङगके समेत आ-अपने महत्व रहल बा । करिया रंग शून्यताके प्रतिक, लाल रंग जीवनके उमङ्गता, हरियर रङग धैर्यताके प्रतिक, पियर रंग बुद्धिमताके प्रतिक, खैयर रङग शरीरके संवेगात्मक अवस्थाके प्रतिक ओ निला रङगहे परम्परा ओ मूल्य मान्यताके प्रतिकके रुपमे लेना करजाइठ् । थारु संस्कृतिके जानकारके अनुसार अष्टिमकीके चित्रमे अत्यधिक मात्रामे ज्यामितीय स्वरुपके प्रयोग करजाइठ् । थारु लोक चित्रकार शिर ओ रोदनके लाग अण्डाकार शरीरके लाग घनाकार वा त्रिभुजाकार हाठ ओ गोराके लाग शंकु आकारके प्रयोग करठै । इ चित्र सरल तरिकासे आकर्षक रुपमे बनैना करजाइठ् । अष्टिम्कीके चित्र बनैना ओ पूजा सामग्री तयार कैना कार्य ओराइलपाछे महिला निरहार बैठके भुख्ले पेट परम्परागत आभूषण ओ पहिरनमे सजके चाउर, फलफूल, दिया, धानक अथवा मकैक बोट, कागतीके हाँगा ओ जोडा फल लेके पूजा कैना करठै । अष्टिम्कीके रातभर जाग्राम बैठके घरके सक्कु जाने कान्हा (श्रीकृष्ण) के परम्परागत लोक भाखामे गीत गैना करठै । अष्टिम्कीके डुसरा दिन सक्करही पूजा कैके पूजा करल सामग्रीसहित चाउर सहितके दिया बारके लडिया अथवा टल्वामे असराके स्नान कैके सक्कु जाने घर अइठै । घरमे बनाइल पकवानके कुछ भाग भगवानहे अर्पण कैके व्रतालु महिला भोजन ग्रहण कैना करठै ।

सुदूरपश्चिममे गौरा पर्वके रौनक

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १९ भदौ । सुदूरपश्चिम प्रदेशमे गौरा पर्वके रौनक छाइल बा । भदौ शुक्ल पञ्चमीसे आरम्भ हुइना सुदूरपश्चिमेलीहुकनके महान पर्व गौराके मुख्य दिन शुकके रोज अठवाली अथात् अष्टमी हर्षोल्लासके साथ मनागिल बा ।

दार्चुला, बैतडी, डडेल्धुरासहितके पहाडी जिल्लामे शुकके दिन गौराके पूजाआजा करके स्थानीय गौरादेवीके मन्दिरमे जात्रा लागठ मने कैलाली ओ कञ्चनपुरमे बसोबास करटी आइलके पहाडी समुदायपके गौरादेवीके मन्दिर स्थापना करल ठाउँमे जम्मा हुके पर्व मनैना करठै ।

सुदूरपश्चिमके मौलिका संस्कृतिके रुपमे रहलके गौरा पर्व भारत उत्तराखण्डके कुमाउ, गढवालमे समेत आ अपन धार्मिक ओ सांस्कृतिक मान्यता अनुसार मनैना करठै ।

गौरा पर्वमे काम विशेष ओ रोजगारीके सिलसिलामे भारत लगायतके देशमे गिलके औटलपाछे गाउँघरहे भरिभराज हुइल बटै ।

भदौ शुक्ल पञ्चमीसे आरम्भ हुइना गौराके पहिल दिन महिलाहुकनसे घरघरमे तामाके भाँडामे बिरुडा (पाँच मेरके अन्न) भिजाके गौरा पर्वके विधिवत रुपमे सुरुआत करठै ।

भदौ शुक्ल पञ्चमीके दिन महिलाहुकनसे व्रत बसी केराउ, गहत, गहुँ, मास ओ गुरौस मिसाके तामाके भाँडामे विरुडा भिजाके पाछे गौरा पर्वके थालनी हुइठ ।

भदौ शुक्ल पञ्चमीके दिन बिरुडा भिजाके चलन रहल आइलसँ सुदूरपश्चिममे इहे पञ्चमीहे बिरुडा पञ्चमीके नामसेफे चिन्ना करठै ।

भदौ शुक्ल पञ्चमीके दिन भिजाके बिरुडा औरे दिन षष्ठीके दिन नजिकके धारा, तलाउ वा पोखरीमे लैके धुइना चलन बा । ओस्टेक सप्तमीके दिन गौरा देवीहे नजिकैके मठमन्दिरमे भिटर पूजा अर्चना करके विवाहित महिलाहुकनसे दुवधागो चढाइना चलन बा ।

अठवली अर्थात् अष्टमीके दिन व्रत बैठना गौरा पर्व मनैना स्थल गौरा खला (आँगन) मे पार्वती ओ शिवके पूजापाठ कैना चलन बा । *(बाँकी २ पेजमे)*

कञ्चनपुरसे रसुवा पुगल एक्के परिवारके तीन जाने बेपत्ता

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १९ भदौ । 'मोर छावा प्रहरी बन्ना बरवर सपना सजैले रहे । दुई चो परीक्षा देहल, सफल नै हुइल । फेर एकचो फर्म भरके नाम निकरम कहे । उहे उ सपनाफे पूरा हुइ नै सेकल । अब्बे छावाके लाससमेत भेटल नै हो ।' कञ्चनपुरके कृष्णपुर नगरपालिका-३, बैभापट्टी टोलके ४२ वर्षीय फुलदेवी राना यहाँ कहटी जोरसे रोइलीन । कुछ बेर उहाँ मौन बैठलीन । आँसु पुछलीन । १० दिनसे रोइरहलके आमाके आँखीमे अब्बे आँसु फे सुकल जस्ते देखल बा ।

उहाँके एक्के छावा क्रेशन राना १० दिनसे सम्पर्कविहीन बटै । रसुवामे आइलके बाढपाछे उहाँ कहाँ बटै कहटी परिवारहे पाटा नै हो । छावा लौटना आशा मनमे बा । छोराके अवस्थाबारे एक न एक दिन त कुछ खबर आइ कहटी ओकरके प्रतीक्षामे फुलदेवीके दिन बिटटी रहल बटीन ।

बिफेक दोप्हर फुलदेवीके घरमे मनैहुकन जम्मा हुइल रहिट । गाउँके छिमेकीसे कृष्णपुर नगरपालिकाके उपप्रमुख द्रोपती रानासम उहाँ पुगल रहिन । बाढपाछे क्रेशन बेपत्ता हुइल खबर पाइलसे उहाँके घरमे ओस्टे करके मनैहुकन आइना जाइना क्रम चलटी रहल बा ।

क्रेशन घरके एक्के छावा बटिन । ६ जानेके परिवारमे उहाँ कमैना मुख्य खम्बा रहिट । बुवा नन्दकिशोर राना, आमा फुलदेवी, १७ वर्षीय बहिनी, श्रीमती विपासा ओ डेढ वर्षीय छाइ सहित उहाँके परिवार बैभापट्टीमे बैठल बटै ।

घरबासबाहेक परिवारसँगे पर्याप्त खेतीपाती कैना जमिन नै हो । टबे फुलदेवी अधियाँमे खेती करठी । कमजोर आर्थिक अवस्थाके कारण क्रेशनसे छोटसे काम करटी पढलै । उहाँसे कक्षा १२ समकिल पढे सेक्लै ।

'मोर छावा पढाइमे माजा रहे । घरके अवस्था कमजोर हुइलके मजदुरी करटी पढे । कक्षा १२ फे मजदुरी करटी पढल हो,' फुलदेवी कहली, '१२ पाछेके पढाइहे अगे बह्रै नै सेकल ।'

क्रेशनके सपना भर मजदुर बनाके जीवन बिटैना नै रहे । उहाँ आर्मी, प्रहरी ओ कुछ सुरक्षा निकायमे जागिर खाइना सपना देखे । दुईचो फर्म भरके परीक्षाफे देहल, मने पहिल चरणमे बाहर हुगिल ।

'एक दाँत अलि उप्पर हुइलके कारण पहिल चरणमे बाहर हुइल, अटरा हुइलमेफे उ हिम्मत हारल नै रहे । फेर फर्म भरके परीक्षा देम, नाम निकरम कहे,' फुलदेवी कहली । आर्थिक अवस्थाके कारण उ सपना पूरा करनाआघे परिवारके जिम्मेवारीसे उहाँहि रोजगारीओर धकेल देहल । घर बनैना मिस्त्रीके कामसे टमान मजदुरी करटी उहाँके परिवारके सहारा बनल ।

गत माघमे रोजगारीके लग उहाँ रसुवा पुगल बटै । चाइना हाइड्रोपावर २१६ मे वेल्डिङ कैना, मसला उठैना लगायतके काम करै । उहाँ वेल्डिङके काम ढेर करै । मासिक करिब ३२ हजार रुपयाँ कमाइ ओ उहे पैसासे घरके किस्ता तिर्ना ओ परिवारके खर्च चलैना करै ।

क्रेशनके विवाह हुइल तीन वर्ष हुइल बा । उहाँके गोसिनिया २१ वर्षीय विपासा घरके कामसँगे डेढ वर्षीय छाइके हेरचाह करठिन । विपासा कक्षा १० सम पढल बटीन । अब्बे विपासा अपने बिरामी बटिन । कुछ समयआघे गिल परीक्षणमे उहाँहि सिकलसेल रोग देखा परल बा । उहाँसे नियमित औषधि खाइक पठिन । गाउँके स्वास्थ्य चौकीमे उपचार हुइठ । अवस्था गम्भीर हुइल धनगढी लैजाइक पर्ना बा ।

उहाँहकनके डेढ वर्षीय छाइ फे जनमसे बिरामी हुइटीरहल बटिन । पटक-पटक बिरामी हुइना ओ रोइटीरहना परिवारसे उहाँहि फे सिकलसेल हुइ सेकना आशंका करल बा मने, अब्बे सम क्रेशन ओ उहाँके छाइ दुनहुनके परीक्षण नै हुइल हो । गोसिया बेपत्ता हुइलपाछे विपासाके अवस्था झन् कमजोर बनल बा । 'पोटहिया भाटपानी छोरले बा,' फुलदेवी कहली, 'अपनहे सिकलसेल बा । ओकरउप्पर छोट छाइहे दुध खुवाइक पराठ । बच्ची बिरामी हुइल रोइटी रहाठ । हम्रे का कहकै सम्झै ?'

फुलदेवीसँगे अपन मोबाइल नै हुइन । क्रेशनसे रसुवासे उहाँके पोटहिया विपासा ओ छाइके मोबाइलमे फोन करे । कबुकबु भिडियो कल आए । *(बाँकी ३ पेजमे)*

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : राम दहित (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी
पहुना सम्पादक : कृष्णराज सर्वहारी
व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

रसुवा बाढमे पुहल शव नवलपरासीमे व्यवस्थापन सुरु

बुटवल, १९ भदौ । रसुवामे आइल बाढमे पुगके नारायणी लडिया हुइटी नवलपरासी पश्चिम आपुगल शवके व्यवस्थापन सुरु करल बा ।

जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समितिके निर्णयपाछे सुनवल नगरपालिका–४ स्थित मुलपानी सामुदायिक वनके कोरोना डाँडामे शव व्यवस्थापन सुरु करल हो । नवलपरासी पश्चिमके प्रमुख जिल्ला अधिकारी दीपकराज नेपाल आवश्यक मापदण्ड पूरा करके शव व्यवस्थापनके काम हुइटी रहल जानकारी डेलै ।

जिल्ला प्रहरी कार्यालय नवलपरासी पश्चिमके अनुसार सोम्मार बिहानसम नारायणी लडियासे पुहाके ल्यानल १५५ शव तथा शरीरके अंग टमान ठाउँमे फेला परल बटै ।

फेला परल शवके पहिचानके लाग परासी ओ बुटवलस्थित अस्पतालमे डीएनए परीक्षणलगायतके प्रक्रिया आघे बढाइल बा । जिल्ला प्रहरी कार्यालय नवलपरासी पश्चिमके डीएसपी मदन थापाके अनुसार हालसम ४५ शवके व्यवस्थापन हुसेकल बा । उहाँक अनुसार पहिचानके लाग शवस डीएनए परीक्षणके नमुना संकलन तथा अन्य आवश्यक प्रक्रिया जारी बा । पहिचानके प्रक्रिया पूरा हुइलपाछे बाँकी शवके फे क्रमशः व्यवस्थापन कैना बा । 'व्यवस्थित तरिकासे आवश्यक मापदण्ड पूरा करके शव व्यवस्थापनके काम हुइटी रहल बा,' डीएसपी थापा कहलै ।

नवलपरासी पश्चिममे फेला परल शव सुरुमे परासीस्थित पृथ्वीचन्द्र अस्पतालमे धारल रहे । शवके संख्या बहुटी गैलपाछे पहिचान तथा व्यवस्थापन सहज बनैना लुम्बिनी प्रादेशिक अस्पताल बुटवल, भीम अस्पताल भैरहवा ओ कपिलवस्तुके पिपरा अस्पतालमे समेत शव राखल बा ।

अस्पतालमे शव पहिचान तथा परिचय कक्ष स्थापना करके आफन्तके खोजीमे अइना व्यक्तिहे आवश्यक जानकारी उपलब्ध करैना व्यवस्था करल बा । *(बाँकी ३ पेजमे)*

सुदूरपश्चिममे गौरा...

आजके दिनहे दुर्वाष्टमीफे कहठै । गौरा पर्वके मुख्य आकर्षणके रुपमे रहलके देउडामे पौराणिक कथा, देवी देवताके गाथा गाइना, चैतली, धुमरी, ढुस्के लगायतके भाकामे देउडा खेल खेल्ना चलन बा ।

देउडाके माध्यमसे समाजमे हुइल विकृति, देशके राजनीतिक अवस्था लगायतके बारेम तिखो व्यङ्ग्य करकेफे करठै । ओस्टेक देउडा गीतके माध्यमसे सुख दुःख बाँड्नाके साथे सामाजिक सदभाव कायमफे करठै ।

मुख्यमन्त्रीसे गौरा पर्व ओ श्रीकृष्णके शुभकामना व्यक्त

सुदूरपश्चिम प्रदेशके मुख्यमन्त्री खगराज भट्टसे गौरा पर्व ओ श्रीकृष्ण जन्माष्टमीके पावन अवसरमे स्वदेश ओ विदेशमे रहलके सम्पूर्ण सुदूरपश्चिमवासी दिदीबहिनी ओ दाजुभाइहुकनमे सुख, शान्ति, समृद्धि, सु–स्वास्थ्य ओ उत्रोत्तर प्रगतिके हार्दिक शुभकामना व्यक्त करले बटै ।

मुख्यमन्त्री कार्यालयहे जारी शुभकामना सन्देशमे गौरा पर्वहे सुदूरपश्चिमके जनताके महान् सांस्कृतिक गौरवके पर्वके रूपमे उल्लेख करल बा । मुख्यमन्त्री भट्टसे गौरा पर्वसे मौलिक संस्कृति, परम्परा, आस्था ओ पहिचानहे जोरटी एकता, सद्भाव, आपसी प्रेम, भाइचारा ओ सामाजिक सहिष्णुताहे अनि सुदृढ बनैना महत्वपूर्ण योगदान पगैना बटैले बा ।

ओस्टेक करके, श्रीकृष्ण जन्माष्टमीसे सक्कसहे सत्य, धर्म, न्याय, प्रेम ओ सद्भावके मार्गमे आघे बहल प्रेरणा प्रदान कैना विश्वास व्यक्त करटी मुख्यमन्त्रीसे इ पावन पर्वहुकनसे सुखी, समुन्नत ओ समृद्ध सुदूरपश्चिम निर्माणके लग प्रेरणा प्रदान करना कहटी कामना करले बटै ।

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेन्के ।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी
विद्यार्थी ओ ग्रुपमे आउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...
हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।
नोटः *साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुक्रनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।*
धनगढी, चटकपुर कैलाली फोन. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लल्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सेक्ठि । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पक्रि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ । *–सम्पादक*

विपतमे संवेदनशील वर्गके संरक्षण

विचार
डा. नम्रता पाण्डे

नेपाल भौगोलिक, सामाजिक तथा जलवायुजन्य जोखिमके दृष्टिसे संवेदनशील देश हो । बाढपहिरो, भूकम्प, हिमताल विस्फोट, डढेलो, सुक्खा तथा अन्य प्राकृतिक विपतके घटनासे हरेक वर्ष भारी मानवीय, आर्थिक ओ सामाजिक क्षति पुगैटि आइल बा । पाछेक वर्षमे जलवायु परिवर्तनके कारण मौसमजन्य जोखिमके प्रकृति, आवृत्ति ओ तीव्रता और जटिल बन्टि गैल बा । विपतसे समाजके सब वर्गहे ओत्रे प्रभावित करठ मने विपतके प्रभाव सबउप्पर समान नैरहठ । बालबालिका, किशोरी, महिला, अपांगता हुइल व्यक्ति तथा ज्येष्ठ नागरिक जस्टे संवेदनशील समूहसे विपतके समयमे तुलनात्मक रूपमे ढेर जोखिम ओ क्षति बेहोरे परल रहठ ।

शारीरिक क्षमता, उमेर, स्वास्थ्य अवस्था, सामाजिक तथा आर्थिक निर्भरता, सूचनामे पहुँच ओ सुरक्षित स्थानमे तत्काल पुगे सेक्ना क्षमताके कारण उहाँहुकनके जोखिम और बह्ठ । ओस्टेक विपत् व्यवस्थापनमे एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठ्ठ– "विपत्के समयमे प्राथमिकता किहिनहे डेना ?" यकर जवाफ केवल उमेर वा लिंगके आधारमे नाइहो, जोखिम, आवश्यकता ओ तत्काल सुरक्षित हुइ सेक्ना क्षमताके आधारमे तय हुइ परठ । यिहिनसे अपनहे तत्काल सुरक्षित स्थानमे लैजाइ सेकठ, ओकर जीवन वा स्वास्थ्यमे तत्काल गम्भीर जोखिम बा, ओसिन व्यक्तिहे उद्धार ओ संरक्षणमे विशेष प्राथमिकता डेहे परठ । विशेष कैके जलवायु परिवर्तनके कारण बहके विपत् जोखिमहे ध्यानमे ढैके संवेदनशील समूहकेन्द्रित विपत् व्यवस्थापन आजके आवश्यकता हो ।

बालबालिका ओ किशोरी विपत्के समयमे सबसे ढेर संवेदनशील समूहमे परठ । उहाँहुकनमे जोखिम पहिचान करना, निर्णय लेना ओ अपन सुरक्षित स्थानमे पुग्ना क्षमता उमेर अनुसार सीमित रहे सेकि । अभिभावकसे छुट्टिना, घर तथा विद्यालय गुमैना वा अपरिचित वातावरणमे बैठेपरना अवस्थासे उहाँहुकनके जोखिम और बह्राइठ । खुला ठाउँ वा अस्थायी राहत शिविरमे बैठेपरना अवस्था अइना बालबालिका तथा किशोरी यौन हिंसा, दुर्व्यवहार, शोषण तथा मानव बेचबिखनके जोखिममे परे सेक्ठैं । परिवारसे छुट्ना, अभिभावक गुमैना, पहिचानसम्बन्धी विवरण हरैना तथा अपरिचित व्यक्तिसँग निर्भर हुइपरना, अवस्था जोखिम बह्रैना प्रमुख कारण हो । टबेमारे राहत शिविरमे बालबालिकाके सुरक्षा केवल परिवारके जिम्मेवारी नैहोके राज्य, स्थानीय तह, सुरक्षा निकाय ओ समुदायके साझा दायित्व बने परठ ।

विपतके समयमे खानेपानी, सुरक्षित शौचालय, सरसफाइ तथा गोपनीयताके अभावसे महिनावारी सुरु हुइल किशोरीहे थप कठिनाइ हुइठ । प्याड, सफा पानी, साबुन, अन्डरगार्मेन्ट तथा सुरक्षित ओ गोपनीय शौचालयके अभावसे स्वास्थ्य समस्या किल नाइकि, लज्जा, तनाव ओ सामाजिक असहजता फेन उत्पन्न करे सेकठ । टबेमारे राहत सामग्रीके योजना बनाके खाद्यान्न ओ औषधीसँगे महिनावारी स्वच्छता तथा व्यक्तिगत सरसफाइके सामग्रीहे फेन अत्यावश्यक राहत सामग्रीके रूपमे समावेश करे परठ ।

> विपत् व्यवस्थापनमे प्रायः सबहे प्राथमिकता डेजाइठ । यी क्रममे बालबालिका, अशक्त एवं ज्येष्ठ नागरिक भावनात्मक रूपमे उपेक्षित महसुस करे सेक्ठैं । घर, सम्पत्ति, आफन्त वा परिचित वातावरण गुमैना उहाँहुकनके लाग गहिर मानसिक पीडाके विषय रहे सेकठ । ओस्टेक अइसिन व्यक्तिसँग संवाद करना, उहाँहुकनके बाट सुन्ना, परिवारसँग पुनर्मिलन करैना तथा आवश्यक मनोसामाजिक सहयोग उपलब्ध करैना व्यवस्था हुइ परठ । ज्येष्ठ नागरिकमैत्री पूर्वसूचना प्रणाली विकास करनारु। एक्केलि रना तथा अशक्त ज्येष्ठ नागरिकके स्थानीयस्तरमे पहिचान करना । उद्धार योजनामे उहाँहुकनहे स्पष्ट प्राथमिकता डेना । राहत शिविरमे सहज पहुँच, सुरक्षित आवास ओ प्रयोग करना सजिलो शौचालयके व्यवस्था करना । नियमित औषधी तथा स्वास्थ्यसेवाके निरन्तरता सुनिश्चित करना । विशेष खानपान आवश्यक परना ज्येष्ठ नागरिकके लाग उपयुक्त भोजन उपलब्ध करैना । मानसिक ढाडस, सामाजिक संवाद ओ पारिवारिक पुनर्मिलनमे विशेष ध्यान डेना ।

विपतपाछे विद्यालय क्षतिग्रस्त हुइना वा राहत तथा उद्धार केन्द्रके रूपमे प्रयोग हुइल ओरसे बालबालिकाके पहाइ अवरुद्ध हुइठ । लम्मा समयसम शिक्षा रोकना अवस्था आइलमे विशेष कैके किशोरी विद्यालय छोरना, बालश्रममे जैना वा बालविवाहके जोखिममे परना सम्भावना बह्रे सेकठ । टबेमारे विपत्पाछेक पुनःस्थापनामे विद्यालय पुनःसञ्चालनहे उच्च प्राथमिकता डेहे परठ । शिक्षा विपतपाछेक अतिरिक्त सेवा नाइकि, बाल संरक्षणके महत्वपूर्ण माध्यम होरु।

मनोसामाजिक असर

विपतके भयावह दृश्य, आफन्त गुमैनाके पीडा, घरबारविहीन हुइना, विद्यालय छुट्ना तथा असुरक्षित वातावरणके कारण बालबालिकामे डर, त्रास, चिन्ता ओ मनोसामाजिक समस्या डेखाइ सेकठ । ओस्टेक उद्धारपाछे शारीरिक सुरक्षा किल नाइकि, मनोसामाजिक सहयोग, सुरक्षित खेल तथा सिकाइके वातावरण, बालमैत्री गतिविधि ओ आवश्यक परल विशेषज्ञ परामर्शके व्यवस्था करे परठ । विपत् व्यवस्थापनके हरेक चरणमे बालमैत्री दृष्टिकोण करना । बाल सुरक्षा तथा परिवार खोज ओ पुनर्मिलन प्रणाली प्रभावकारी बनाइठ ।

ज्येष्ठ नागरिकके संरक्षण

उमेर ढल्कटि जाके शारीरिक क्षमता कमजोर हुइना स्वाभाविक हो मने विपतके समयमे यिहे अवस्था जीवनके लाग भारी जोखिम बने सेकठ । दृष्टि वा श्रवण क्षमता कमजोर हुइना, हिँडडुलमे कठिनाइ हुइना, लाठि वा ह्विलचेयरके आवश्यकता परना तथा नियमित औषधीमे निर्भर हुइना ज्येष्ठ नागरिकहे उद्धार ओ राहतमे विशेष प्राथमिकता आवश्यक बनाइठ । विपतके समयमे हुइना भागदौड, डगर अवरुद्ध हुइना, सञ्चार प्रणाली बन्द हुइना वा यातायातसेवा प्रभावित हुइनाके कारण ज्येष्ठ नागरिक सुरक्षित स्थानमे समयमे पुगे नैसेक्ना अवस्था आइ सेकि । ओस्टेक ज्येष्ठ नागरिकहे कमजोर वा बोझके रूपमे नाइकि, विशेष आवश्यकता रहल अधिकारसम्पन्न नागरिकके रूपमे हेरे परठ ।

जोखिमके अवस्था मूल्यांकन कैके अशक्त, एक्केलि बैठेना, हिँडडुल करना कठिनाइ रहल तथा स्वास्थ्य जोखिममे रहल बालबालिका ओ ज्येष्ठ नागरिक ओ अपांगता रहल व्यक्तिहे प्राथमिकतामे ढरे परठ । पूर्वसूचना प्रणाली फेन ज्येष्ठ नागरिकमैत्री हुइ परठ । केवल मोबाइल सन्देश वा इन्टरनेटमे निर्भर नैहोके साइरन, स्थानीय सञ्चार, टोलस्तरीय सूचना, स्वयंसेवक तथा प्रत्यक्ष सम्पर्कमार्फत सूचना पुगैना व्यवस्था आवश्यक बारु। टमान ज्येष्ठ नागरिक नियमित औषधी सेवनमे निर्भर रठैं ।

विपत्के समयमे औषधी हेरैना, स्वास्थ्य संस्था बन्द रना वा नियमित उपचार अवरुद्ध हुइना, गम्भीर स्वास्थ्य जोखिम बने सेकठ । विपत् पूर्वतयारीमे नियमित औषधीके विवरण, स्वास्थ्य अवस्थाके अभिलेख तथा आवश्यक स्वास्थ्यसेवाके निरन्तरता सुनिश्चित करना प्रणाली विकास करे परठ । राहत तथा स्वास्थ्य टोलीसे रक्तचाप, मधुमेह, श्वासप्रश्वास, मुटुसम्बन्धी समस्या तथा अन्य दीर्घकालीन स्वास्थ्य आवश्यकताहे ध्यानमे ढरे परठ । उमेर, पाचन प्रणाली वा अन्य स्वास्थ्य अवस्थाके कारण उहाँहुकनहे नरम, सुपाच्य तथा आवश्यकता अनुसारके खाना आवश्यक परे सेकठ । ओस्टेक जार, ओसिलो, भिडभाडयुक्त वा असुरक्षित वातावरणासे स्वास्थ्य समस्या बह्रे सेकठ ।

एक्लोपन र मानसिक स्वास्थ्य

विपत् व्यवस्थापनमे प्रायः सबहे प्राथमिकता डेजाइठ । यी क्रममे बालबालिका, अशक्त एवं ज्येष्ठ नागरिक भावनात्मक रूपमे उपेक्षित महसुस करे सेक्ठैं । घर, सम्पत्ति, आफन्त वा परिचित वातावरण गुमैना उहाँहुकनके लाग गहिर मानसिक पीडाके विषय रहे सेकठ । ओस्टेक अइसिन व्यक्तिसँग संवाद करना, उहाँहुकनके बाट सुन्ना, परिवारसँग पुनर्मिलन करैना तथा आवश्यक मनोसामाजिक सहयोग उपलब्ध करैना व्यवस्था हुइ परठ । ज्येष्ठ नागरिकमैत्री पूर्वसूचना प्रणाली विकास करनारु। एक्केलि रना तथा अशक्त ज्येष्ठ नागरिकके स्थानीयस्तरमे पहिचान करना । उद्धार योजनामे उहाँहुकनहे स्पष्ट प्राथमिकता डेना । राहत शिविरमे सहज पहुँच, सुरक्षित आवास ओ प्रयोग करना सजिलो शौचालयके व्यवस्था करना । नियमित औषधी तथा स्वास्थ्यसेवाके निरन्तरता सुनिश्चित करना । विशेष खानपान आवश्यक परना ज्येष्ठ नागरिकके लाग उपयुक्त भोजन उपलब्ध करैना । मानसिक ढाडस, सामाजिक संवाद ओ पारिवारिक पुनर्मिलनमे विशेष ध्यान डेना ।

साभार: गोरखापत्र दैनिकसे

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।

नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।

प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एक्चुलेन्स नम्बर
९८३४६८९६१७, ९८४८४३७०१८, ९८५४६०८०४६, ९८१४६८०००६८, ९८१४६६०३८५

प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ४२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-४२११४०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-४२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-४५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-४२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-४२११४३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०३०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२४७१
ईप्रका लम्की ०९१-४४०१९९
ईप्रका भजली ०९१-४८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-४२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-४५०१२२
ईप्रका फल्दुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-४२९१४४
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०४
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-४२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-४६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ४२६९२८

बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२२
नवजिवन बैक ०९१-४२३६४३
कृषि विकास बैक ०९१-४२९२३४
मालिका विकास बैक०९१-४२३०३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-४२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-४२४६४०
नेपाल बग्लाढेश बैक ०९१-४२१७८४
सिटिजन बैक ०९१-४२७४८४
कुमारी बैक ०९१-४२६०३८
सगराईज बैक ०९१-४२४८४०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-४२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-४२१२१६

सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-४२११०१
जिल्ला विकास .०९१-४२३४६०
नगरपालीका .०९१-४२१४२९
मालपोत.०९१-४२१२०१, नापी शाखा.०९१-४६०४०२
कृषि विकास .०९१-४२२२४४, भूमि सुधार.०९१-४२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-४२११४२, नेपाल बाल संगठन: ४२३६६४

अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-४२१२७१
नवजिवन ०९१- ४२१२३३/४२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-४२३४३४
पद्मा धनगढी ०९१-४५०३४४
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-४५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-४६०१४०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-४२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ४२१२३७, ४२३९७१
एम्बुलेन्स : ४२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८४५४७४०
विद्युत : ४२११४४
दिनेश मेटल ०९१-४२१३९२

होटल
डिनोटी ०९१-४२३९९८/४२४९३१
जगदम्बा०९१-४२३४९०, विद्या०९१-४२३२७३
तरुण ०९१-४२४६९३, सनलाईट०९१-४२१४३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :४२०१४१
ज्ञानुलाजा०९१-४२२८३०/४२७९९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :४२७१२२

शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-४२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-४२३९९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-४२१०७९

राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ४२४११४
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ४२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-४२१२४२

एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-४२६७०१

साहित्यिक पूलरिया

गजल

✍ लल्लिन क्यानभास

जाँरडारु केल पिठो का पैठो बाबा।
टुँ आपन जिउ अपनहें खैठो बाबा।

डुनिया कहाँसे कहाँ पुग स्याकल बा,
टुँ उह गै-गोरुले धान डैंठो बाबा।

बैसाख जेठम घर छैंठ और जे,
टुँ भरल बर्खम घर छैंठो बाबा।

मनै रोगी रोगले पर्ठ पटा बा फें,
टुँ आम्ही झारफुँक कर जैठो बाबा।

दुख पिर पर्के हरेस खाइल अस,
सज्ना और मैना केल गैठो बाबा।

दाङ

गजल

✍ सागर कुस्मी "संगत"

बाबा टुहिन चिट्ठी पठाइटुँ सहरसे
केरायक समस्या जनाइटुँ सहरसे।

कबु कापी, कबु कलम ओराजाइठ,
लावा कसिक किनु बटाइटुँ सहरसे।

बुडि बुडुनके, खोब सम्झना सटाइठ,
यहाँ केउ नै मिल्थैं कवाइटुँ सहरसे।

घनि टिना, घनि सिढा कबु तेल फेन,
नोन खाके जिन्गी चलाइटुँ सहरसे।

सहरमे खरियाँ, फुलौरी खैनास लागठ,
खवासक झारे मुह रसाइटुँ सहरसे।

धनगढी, कैलाली

गजल

✍ मखन थारू

सिँगार भरल जवानी नुकाके काकर्बो।
चुल्बुल्हा लस्गर बानी नुकाके काकर्बो।

टोहाँर ओ मोर बारेम पटे बा सबजहन,
मैयाँ भरल प्रेमकहानी नुकाके काकर्बो।

दिल टोहाँर नाउँमे नामसारी कैसेक्ले रहुँ,
कर्लो जिन्गीसे मनमानी नुकाके काकर्बो।

छोर्लो साठ पकर्लो डोसरके हाँठ डुर गैलो,
मैयाँके पुरान राहदानी नुकाके काकर्बो।

बिना बडरिक बर्खा लागल बा इ जिन्गिम,
रसाइल आँखीम पानी नुकाके काकर्बो।

कैलाली

गजल

✍ अंकर अन्जान सहयात्री

जेकर जाँगर नाइहो कमाहीफें नाइहो।
सोंचलेहो ओकर घरेम छाँहीफें नाइहो।

जौन घरेम डेउरान-जेठान मिलके रहठैं,
उ घरेम झग्रालराइ कोल्काहीफें नाइहो।

जे बाबुक इज्जत लुटके गन्नम फेंकडेहल,
उ डैन्टुर्वे अभिन कुछु कारवाहीफें नाइहो।

लगैना टो चुट्टिक पस्ना घुट्टी पुगाके लगैनु,
मने इ साल धानगोहुँ मस्री लाहीफें नाइहो।

पकैना मनै मेरमेराइक बर्टनमे खाना पकैठैं,
अपनठें चुल्हाचौकीसंगे कराहीफें नाइहो।

कैलाली

साप्ताहिक बाल स्तम्भ

निक्मा तामाङ, कक्षा : ३
इरिष्टो ई.बो. स्कूल, धनगढी

अनुष्का तामाङ, कक्षाः ५
माइल्स्टोन ई.बो. स्कूल, धनगढी

आकृति चौधरी, कक्षा : ४
सरस्वती मावि, धनगढी

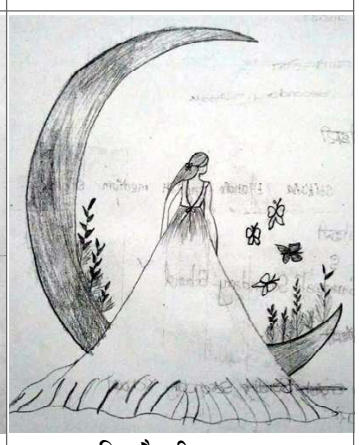

प्रकृति चौधरी, कक्षा : ९
सरस्वती मावि, धनगढी

अत्यावश्यक सामग्री अभाव नैहुइना

काठमाडौँ, १७ भदौ । रसुवाके भोटेकोशी नदीमे आइल विनाशकारी बाढपहिरोके कारण पृथ्वी राजमार्ग तथा रसुवागढी नाका अवरुद्ध होके काठमाडौँ उपत्यकाके आपूर्ति शृंखला प्रभावित हुइल बा । मुख्य राजमार्ग बन्द होके हजारौँ ढुवानीके साधन रोकरल ओरसे उपत्यकामे खाद्यान्न, तरकारी तथा दैनिक उपभोग्य सामग्रीके अभाव ओ मूल्यवृद्धि हुइ सेक्ना उच्च जोखिम बहल हो ।

पहिरोके कारण मुख्य मेरुदण्ड मानल पृथ्वी राजमार्गके मुग्लिङ-काठमाडौँ सडकखण्ड ओ कुछ स्थानमे सहायक मार्ग बन्द होके खाद्यान्न बोकल भारी कन्टेनर ओ ग्यास बुलेट उपत्यके भित्रे सेकल नैहो । सामान अभाव हुइ सेक्ना डरसे उपभोक्तासे आवश्यकतासे ढेर खाद्यान्न भण्डारण करे लागलमे बजारमे कृत्रिम अभाव सिर्जना हुइ सेक्ना कटि सरकार सजग करैले बा ।

उद्योग, वाणिज्य तथा आपूर्ति मन्त्रालयके प्रवक्ता नेत्रप्रसाद सुवेदी बजारमे पर्याप्त मात्रामे खाद्यान्न मौज्दात रहल ओरसे तत्काल अत्यावश्यक वस्तु अभाव नैहुइना बटैलैं । उहाँ उपत्यकामे वैकल्पिक मार्गसे खाद्यवस्तु आपूर्ति करना व्यवस्था रहल ओरसे आमउपभोक्ताहे नैआत्तिन अपिलसमेत करलैं । मन्त्रालयके अनुसार छोट सवारीसाधनमार्फत खाद्यान्न ढुवानी करना टोखा-छहरे-नुवाकोट खण्ड तथा कान्ति राजपथ जैसिन वैकल्पिक सडक सञ्चालनमे नन्ना प्रयास करटि बा । मन्त्रालय सरकारी स्वामित्वके खाद्य व्यवस्था तथा व्यापार कम्पनी, साल्ट ट्रेडिङ कर्पोरसन ओ निजी क्षेत्रसँग कैके उपत्यकामे दुई/तीन महिनासम ठप्प हुइलेसे फेन पुग्ना मेरिक खाद्यवस्तु मौज्दात रहल जनैले बा ।

खाद्य कम्पनीके लाग प्रमुख कार्यकारी अधिकृत शर्मिला सुवेदी काठमाडौँ उपत्यकामे चामल, दलहनलगायतके खाद्यवस्तु पर्याप्त मौज्दात रहल ओ वैकिल्पक डगरसे नन्ना फेन तयारी हुइटिरहल ओर अभाव हुइना अवस्था नैरहल जानकारी डेलैं । उहाँक अनुसार कम्पनीके काठमाडौँस्थित थापाथली बिक्री केन्द्रमे तीन हजार मेट्रिक टन चामल, एक हजार दुई सय क्विन्टल दलहन ओ करिब पाँच सय ढेर क्विन्टल चिनी मौज्दात रहल बा ।

साल्ट ट्रेडिङ कर्पोरसनके अनुसार सात महिनासम पुग्न आयोडिनयुक्त नुन, दुई महिना लगभगहे पुग्ना चिनी ओ अन्य खाद्यवस्तु बा । सरकार वैकिल्पक मार्गसे नानल व्यवस्था करटिरहल ओरसे खाद्यवस्तु अभाव नैहुइना कर्पोरसनके सूचना अधिकारी कुमार राजभण्डारी जानकारी डेलैं ।

उपभोक्ता अधिकारकर्मी प्रेमलाल महर्जन बाढपहिरोके मौका छोपके व्यवसायी बजारमे कृत्रिम अभाव सिर्जना करे सेक्ना हुइल ओरसे सरकार ओम्ने सचेत रहेपरना बटैलैं । ओकर लाग बजार अनुगमनहे प्रभावकारी बनाइपरना बटैटि उहाँ उपभोक्ताहे ठगनसे जोगाइपरना आवश्यकता औँल्याइलैं । बजार अनुगमनके जिम्मेवारी पाइल वाणिज्य, आपूर्ति तथा उपभोक्ता संरक्षण विभागसे बजारमे आपूर्ति शृंखलामे समस्या देखाके मूल्य हुइ सेक्ना हुइल ओरसे यम्ने केन्द्रित होके बजारके निगरानी करना काम हुइटिरहल जनाइल बा ।

बाढ प्रभावित क्षेत्रमे खाद्यान्न ढुवानी

खाद्य व्यवस्था तथा व्यापार कम्पनी बाढ प्रभावित क्षेत्रके नागरिकके तत्कालके राहतके अत्यावश्यक खाद्यवस्तु पठाइल जनैले बा । कम्पनीके निमित्त प्रमुख कार्यकारी अधिकृत शर्मिला (सुवेदी) आपूर्ति मन्त्रालयके निर्देशनपाछे बाढ प्रभावित क्षेत्रके नागरिकके तत्कालके राहतके लाग २१४ क्विन्टल चामल, ६१.५० क्विन्टल लाल मुसुरोके दाल, दुई हजार छ सय लिटर वनस्पति तेल ओ ८.५ क्विन्टल आयोडिनयुक्त नुन पठाइल जानकारी डेलैं ।

रसुवा बाढमे...

आफन्तसे शव तथा तस्बिर हेरके पहिचान करे सेक्ना व्यवस्था मिलाइल प्रशासन जनैले बा ।

बाढपहिरोपाछे लडियामे पुहके आइल शव तथा शरीरके अंग टमान स्थानमे भेटलपाछे स्थानीय प्रशासनस पहिचान, डीएनए परीक्षण तथा सुरक्षित ओ सम्मानजनक व्यवस्थापनहे प्राथमिकतामे राखल जनैले बा ।

कञ्चनपुरसे रसुवा...

उहे बेला फुलदेवीसेफे छावाासँगे बाट करी। भदौ १० गतेक भर क्रेशनके घरमे फोन नै आइल हो । उहे दुई दिनआघेकिल विपासासँगे म्यासेजमे उहाँके बाट हुइल रहे । भदौ १० गतेक बिहान करिब ११ बजे फुलदेवीसे रसुवामे बाढ आइलके खबर पाटा पाइली । उहाँ घाँस काट् गिल रहिन । 'देवरानीके मोबाइलमे फेसबुकमे बाढ आइल देखल रहिन । तब महिन खबर करलिन । खबर सुन्तीकिल होस उडगिल,' फुलदेवी कहली, 'छाइ नम्बरमे फोन करल । फोन नै लगल ।'

ओकरपाछे परिवारसे आफन्त ओ प्रशासनहे खबर करली । क्रेशनके काकासे उहाँके फोटो ओ सम्पर्क नम्बर राखके सामाजिक सञ्जालमे खोजीके लग आग्रह करली, मने १० औँ दिनसमफे परिवारसे उहाँके अवस्थाबारे कुछ खबर पाइल नै हो । क्रेशनके खोजीके लग उहाँके बुवा नन्दकिशोर ओ गाउँके एक जाने व्यक्ति भदौ १७ गते काठमाडौँ पुगल बटै । गाउसे चन्दा उठाके उहाँहुकनहे काठमाडौँ पठाइल हो । भदौ १८ गते उहाँहुकरे सिंहदरबार पुगलै ।

उहाँ रसुवामे खोजी ओ उद्धारके काम हुइटी रहलके जानकारी पाइलफे क्रेशनके अवस्थाबारे उहाँहुकनसे ठोस खबर नै पाइल हो । क्रेशनके अपन काका ३० वर्षीय कालु राना ओ ठुला बुवाके छावा २९ वर्षीय रिकेश रानाफे बेपत्ता बटै । उहाँहुकन तीन जाने चाइना हाइड्रोपावरमे काम करे रसुवा गिल रहै । उहाँहुकनके बैठना डेराफे एक्के ठाउँमे रहे ।

घटनाके आघे रात क्रेशनके नाइट ड्युटी रहे । परिवारके अनुसार उहाँ बिहान करिब ७ बजे काम सकके डेरामे लौटल रहे । काम कैना ठाउँसे डेरा पुग्ना करिब पाँच मिनेट लागठ ।

नाइट ड्युटी सेकके औटल क्रेशन बिहानके खाना खाके आराम कैना तयारीमे रहे कहटी परिवारके अनुमान बा । ओकरपाछे आइल बाढसे उहाँसहित कालु ओ रिकेशहेफे बेपत्ता बनैल ।

कालुके १३ वर्षके छावा ओ छोट छाइ बटिन । रिकेशके १२ वर्षीय छाइ बटिन । उहाँके दिदी अपाङ्गता हुइल बटै, पठरीसे उठे नै सक्ठै । रिकेशके गोसिनिया, आमा ओ छाइके जिम्मेवारी फे उहाँके काँधमे रहे । उहाँके बुवाके उकरआघे निधन हुसेकल बा ।

तीनु जनहन अपन परिवारके मुख्य कमैना सदस्य रहै । उहाँहुकनके घर फे एकअर्कासँगे जोरल बटै । कच्ची घरमे बैठटी आइल तीनु परिवारके सपना काम करके घरके अवस्था सुधार्ना रहे । अब्बे तीनु परिवारके घरमे ओस्टे चिन्ता बा ।

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

डा. सुमन चौधरी
MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ८ देखि साँझ ५ बजेसम्म

धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

रसुवाके काल छलके लौटुइया कहठै-

'मनै चिल्लाइल सुनलपाछे सुरुङभिटर अन्धाधुन्ध डौरके बाँच्ली'

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १९ भदौ । कैलालीके भजनी नगरपालिका-१ गौनहियाके आकाश चौधरी ओ उहाँके बाबा लक्ष्मण रसुवा पुगल दुई महिना केल्ह बिटल रहे । पावर चाइना कम्पनीके रसुवा-३ सुरुङभिटर उहाँहुकनके काम रहे । उहे सुरुङमे गाउँक अन्य तीन जाने कार्यरत रहिट ।

रोजीरोटीके लाग सुरुङभिटर काम करे गैल ओइनके काम अपनमे जोखिमपूर्ण रहे । पहाड फुटाके खोडल सुरुङभिटर पानी चुहना करल ओरसे दलदल रहे । भदौ १० गते आकाशसहित अन्य चार काम कैना विहान ७ बजे सुरुङभिटर पैठसेकल रहिट । दलदलमे गमबुट लगाके सरिया बाँध्न काम करटी रहल रहिट, ओइने । सुरुङभिटर पाँच किलोमिटरके दूरीमे काम करटी रहल एक घण्टा नैबिल्टी भिटरसे जोरसे हावा चलल । तूफान जस्टे ।

"१० से १५ मिनेटसम सुरुङभिटर यैसिन हावा चलल मानी उ कौनो तूफान हो, मनै उरैना जैसिन । हावा चले रोकल लगत्ते बाहेर ओर मनै जोरसे चिल्लाइल आवाज सुनगिल । हम्रे गमबुट निकारके सुरुङभिटरसे अन्धाधुन्ध मुखओर डौरली", आकाश कहलै,"सुरुङसे निकरके मुहानओ। चरहल निमेषमे जीवनमे कबु नैडेखल खतरनाक बाढ आपुगल । मनै बचाऊ बचाऊ चिल्लैटी रहिट । हेरहेरटी आँखी आघे ढेर मनै पुहलै । बस, जेसीबी सक्कु पुहाके लैगिल ।"

बेलामे सुरुङभिटरसे भग्ना सफल हुइलपाछे भोटेकोशी लडियाके विध्वंसात्मक बाढसे बाँचके आकाशसहित गौनहियाके पाँच जाने घर लौटसेकल बटै । सुरुङभिटरके पाँच किलोमिटर दलदलमे अन्धाधुन्ध डौरके ज्यान जोगैना सफल हुइल आकाश बटैलै । "मै सहित मोर गाउँक चार जाने भग्न सफल हुइली । हमारसंगे काम करटी रहल बर्दियाके एक जाने भागे नैसेक्लै । बाढ घटेबेर करिब १० घण्टापाछे उहाँ सुरुङके दलदलमे घुस्करिया करटी बाँचके अइलै । शरीरमे एक ठो कपडा नैरहे । शरीरभर चोटेचोट रहे । उहाँहि बोक्के हम्र उप्पर ओर लैगिली ।"

आकाशके अनुसार जेहोर टेहोर बचाऊ बचाऊ चिल्लाइल केल्ह सुन्जाए । ढेर मनै आँखी आघेसे पुहल स्मरण करटी उहाँ कहठै "मुस्किलसे अपने जोगल बाढसे औरहे बचाई नैसेक्गिल । मै समुद्रमे मच्छी मर्ना कामफे करले बटु । मने, यैसिन डरलग्टीक बाढ कबु डेखल नैरहु ।"

आकाशसंगे गौनहियाके रामस्वरुप, सन्तोष, प्रेम चौधरी भागके ज्यान जोगैना सफल हुइल रहिट । अपने जोगलसंगे आकाशहे बाबा लक्ष्मणके अवस्था का हुइल कना चिन्तासे पिरोलल रहे । उहाँके बाबाके ड्युटी नैरहे । नाइट सिफ्टमे ड्युटी हुइल ओरसे लक्ष्मण सकारेसे कम्पनीमे गमबुट लेहे गैल रहिट ।

"टिसरा सुरुङमे हमार दुई सिफ्टमे काम हुए । मोर नाइट ड्युटी हुइल ओरसे ओइनके लाग नयाँ गमबुट लेहे कम्पनीके कार्यालयमे गैल रहिट", लक्ष्मण कहलै, "उहाँसे लौटके पुलमे नेंग्टी रहल बेला यैसिन बाढ डेखल की जीवनमे कबु कल्पना नैकरल ।"

पुलसे भागके करिब ५० मिटर उप्पर पहाड चिहुरटी की बाढसे पुल पुहाइल चौधरी बटैलै । उहाँ कहलै,"जौन कम्पनीमे पैठक् निकरल रहिट, एकघचिम मनैसहित कम्पनीके सक्कु घर पुहाइल । ओकरपाछे महीहे यैसिन डर महसुस हुइल की कुछ सोंचे नैसेक्नु ।"

कुछ समय सुस्टाइलपाछे रुइटी छावा खोजे लागल चौधरी सुनैठै । उहोर, आकाशफे रुइटी बाबा खोजे लागल रहिट । बाढसे क्षणभरमे ध्वस्त पारल ठाउसे निकरके अलग अगल डाँडामे ओट लागल बाबाछावाके उ दिन भेट हुई नैसेकल । चौधरी कहठै,"उहोर छावासे बाबाहे पुहाइल की कहिके रुइटी रहिट, यहोर मै छावाहे पुहाइल की कहिके रुइटी रहे । लत्ताकपडा, रुप्याँ पैसा, मोबाइल सक्कु पुहगल । दुसरा दिन छावासहित गाउँक सक्कुनहे सुरक्षित भेटलपाछे यैसिन खुशी लागल की मै वर्णन करे नैसेकम ।"

विध्वंसात्मक बाढसे बाँचल ओइनेहुक्रे विपत्के बिच अन्धकारमे कठिन रात गुजारल रहिट । विहान सरकारसे हेलिकोप्टरमार्फत पाँचु जानेक उद्धार करल रहे । रसुवासे काठमाण्डौं हुइटी ओइनहे भदौं १६ गते घर लौटल बटै । अपने घर लौटलेसेफे उहे कम्पनीके सुरुङभिटर झन्डे १० से १५ किलोमिटर भिटर काम करटी रहल कैलालीके टीकापुर ओ बर्दियाके कामदारहे सम्झके मन अमिल हुइटी रहल आकाश बटैठै । उहाँ कहठै, "पाँच किलोमिटर भिटर रहल हम्रे मुस्किलसे जोग्ली । ओइने अभिन भिटरे रहिट । का हुइल हुई, कुछ अत्तोपत्तो नहो ।"

गौनहियाके स्वरुप चौधरीके कहाईमे भोटेकोशीमे आइल उ बाढ, बाढसेफे काल रहे । घर लौटलपाछे रुइटी उहाँ कहलै,"स्थानीयसे भारी बाढ नैआइठ कहल ओरसे ढुक्क रही । मने, यैसिन काल बनके आइल की मै ओकर वर्णन करे नैसेकल "

भाग्यसे बाँचल यी मजदुरसे डुसर दिन परिवारहे सम्पर्क करके अपनेहुक्रे सकुशल रहल जानकारी डेहल रहिट । मृत्यु छलके लौटलपाछे घर पुगल लक्ष्मण कहलै,"अब यैसिन ठाउमे काम करे कब नैजाब ।"

गोदावरी कांग्रेससे बाढपहिरोक लाग १ लाख १ हजार १११ रुप्या सहयोग

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १९ भदौ । नेपाली कांग्रेस गोदावरी नगर कार्यसमितिसे प्रधानमन्त्री दैवी प्रकोप उद्धार ओ राहत कोषमे १ लाख १ हजार १ सय ११ रुपयाँ सहयोग करल बा ।

गोदावरी नगर कांग्रेसके नेता ओ कार्यकर्ताहुकनसे अपन-अपन इच्छाअनुसार रकम संकलन करके उक्त सहयोग रकम प्रधानमन्त्री राहत कोषमे जम्मा करल हो । संकलित रकम गोदावरी नगर समितिके कार्यालय अत्तरियामे एक कार्यक्रमबीच जम्मा करल हो ।

राहत सहयोग घोषणा कार्यक्रममे नेपाली कांग्रेस कैलाली क्षेत्र नम्बर ४ के क्षेत्रीय सभापति ललित रोकाया, गोदावरी नगर सभापति वीरबहादुर चोखाल लगायत पार्टीके नेता ओ कार्यकर्ताहुकनके उपस्थिति रहल रहे ।

गोदावरी कांग्रेससे कुछसे सञ्चालन करटी आइलके 'जेकरके कोइ नै हो, उहाँके नेपाली कांग्रेस बा' अभियानअन्तर्गत नै उ सहयोग करल नै करना सचिव योगेश भट्ट जानकारी देलै ।

भट्टके अनुसार नेपाली कांग्रेस केन्द्रके निर्देशन बमोजिम विपद्के समयमा पीडित नागरिकहे सहयोग कैना उद्देश्यसे पार्टीके नेता ओ कार्यकर्ताहि स्वेच्छिक रूपमे रकम संकलन करके राहत कोषमे जम्मा करल हो ।

बाढके कारण प्रभावित १३ हजारसे ढेरके उद्धार

काठमाडौं, १९ भदौ । रसुवाके भोटेकोशीमे आइल बाढके कारण प्रभावित १३ हजारसे ढेरके उद्धार करल बा । राष्ट्रिय विपद् जोखिम न्यूनीकरण तथा व्यवस्थापन प्राधिकरणके अनुसार शुकके रोजसम १३ हजार ९३ जानेक उद्धार करल हो ।

प्राधिकरणके अनुसार हालसम एक हजार २८७ जानेक शव सङ्कलन करल बा कलेसे पाँच हजार ८३ अभिन सम्पर्कविहीन बटै ।

हाल टमान अस्पतालमे पाँच हजार ३९७ जानेक उपचार हुइटी रहल बा । हाल नुवाकोट, धादिङ ओ रसुवाके होल्डिङ सेन्टरमे चार हजार ५२१ जाने राखल बा । प्रभावित क्षेत्रमे २१ हजार ४२१ जाने सुरक्षाकर्मी परिचालन करल बा ।

दुना-टपरी व्यवसायसे बदलटि महिलाके जीवन

घोराही, १९ भदौ । दाङके घोराही उपमहानगरपालिका-१६ रातामाटा टोलके महिलासे दुना-टपरी उद्योग सञ्चालन कैके आम्दानी करटि आइल बटैं । सालके पातसे दुना-टपरी बनाके महिनामे १३ हजार रुपियाँसम आम्दानी करटि आइल बटैं ।

घरके काम ओराके फुर्सदके समयमे सदुपयोग करटि दुना-टपरी उद्योग सञ्चालन करल महिलाके लाग अब्बे घरव्यवहार चलैना भरपरना माध्यम बनल बा । छोट उमेरसे घरमे दुना-टपरी बनैना काम करटि आइल रातामाटा टोल निवासी शान्ति चौधरी उद्योगसे महिनामे १० से १२ हजारसम कमैना करल बटैठैं ।

फुर्सदके समयमे उद्योगमे आके दुना-टपरी बनैनासे लेके सालके पात टुरना जंगलसमेत जैना करल उहाँके कहाइ बा ।

दुना-टपरीसे बजारमे माग पाइलपाछे चौधरी गाउँके अपनजस्टे महिलाहे जुटाके २०६९ सालमे १८ जाने महिलाके समूहसे 'सहारा दुना-टपरी लघु उद्योग' स्थापना करल बटैलैं । १२ वर्षयहोर निरन्तर रूपमे दुना-टपरी बनैना काम करटि आइल चौधरीसे दुना-टपरी बिक्री कैके घर खर्च चलैना बटैलैं ।

उहाँक अनुसार हात दुना-टपरी बनैना दक्ष हुइलेसे फेन मेसिनसे उत्पादन करना प्रविधि पटा नैहोके सुरुमे कपिलवस्तुसे दक्ष जनशक्तिसे तालिम लेले रहैं ।

'प्लास्टिकके दुना-टपरीसे सालके पातके दुना-टपरी वातावरणके लाग उपयुक्त रहठ', उहाँ कलैं, 'ओकर लाग स्थानीय सरकारसे सहयोग कैडेना महिलाके लाग सहज हुइना रहे ।'

समूह सदस्य चम्फा चौधरीके अनुसार उद्योग खुलल ओरसे घर खर्च टर्न बजारमे जाके ज्यालादारी काम करेपरना बाध्यता रहे । मने अब्बे ज्याला मजदुरी करेक लाग जाइपरना बाध्यता हटल बा । दुना-टपरीसे हुइल आम्दानीसे घर व्यवहार चलैना पुगल उहाँ बटैलैं । लघु उद्योगमे उत्पादित दुना साइजअनुसार एक रुपियाँ पचास पैसासे टपरी पाँच रुपियाँसममे बिक्री हुइना करल बा ।

उहाँक अनुसार उद्योगसे उत्पादन हुइल दुना-टपरी बेच्न बजारसम धाइपरना बाध्यतासमेत नैहो । घरसे अधिकांश समयमे दुना टपरी बिक्री हुइना करल बा । उहाँके अनुसार घोराहीसँगे नारायणपुर ओ तुलसीपुरसम उत्पादन हुइल दुना-टपरी बिक्री हुइना करल बा ।

विगतके तुलनामे टमान ठाउँमे उद्योग सञ्चालन होके कुछ व्यापार घटल बटैलैं । दैनिक तीनसे चार हजारसम दुना-टपरी उत्पादन करना समूहसे महिनामे एक लाख ४० समके बिक्री करल बा ।

लघु उद्योग विकास संस्थाके सहयोगमे उद्योग सञ्चालन करटि आइल चौधरी पाछेक समय प्रशिक्षकसमेत बनल बटि । उद्योगमे कामसँगे दाङके टमान ठाउँसँगे सल्यान, रोल्पालगायतके जिल्लासम दुना-टपरी बनैना तालिम सिखाइ जैना करल बटैलैं ।

दुना टपरी उद्योगसे हुइल आम्दानीसे घर व्यवहार चलाइ पुग्न करल कटि अध्यक्ष चौधरी कलैं, 'गाउँमे रहल बाघखोर सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहके कार्यसमिति सदस्य रहल नातासे दिदीबहिनी मिलके लघु उद्योग स्थापना करले रहि । हाल तीनु मेसिन ढैके दुना-टपरी बनैटि बटि ।'

सार्वजनिक यातायातको मर्यादित प्रयोग गरौं

- सार्वजनिक यातायातका साधनको जिम्मेवारीपूर्वक प्रयोग गरौं,
- सवारी चढ्ने र ओर्लने क्रममा सडक अनुशासन र पालोको पालना गरौं,
- ज्येष्ठ नागरिक, गर्भवती महिला, अपाङ्गता भएका व्यक्ति तथा बालबालिकालाई प्राथमिकता दिऔं,
- सार्वजनिक यातायातमा धूम्रपान गर्ने, फोहोर फाल्ने तथा होहल्ला गर्ने कार्य नगरौं,
- चालक तथा सहचालकसँग सभ्य र सम्मानजनक व्यवहार गरौं,
- चालक तथा सहचालकले यात्रुसँग सभ्य र सम्मानजनक व्यवहार गरौं,
- सवारी साधनको क्षमता भन्दा बढी यात्रु नचढौं/नचढाऔं,
- ट्राफिक नियमको पालना गरी सुरक्षित यात्रामा सहयोग गरौं,
- सार्वजनिक सम्पत्तिको संरक्षण गर्दै स्वच्छ र सुरक्षित यात्रा संस्कृतिको विकास गरौं।

अनुशासित यात्रा गरौं, सुरक्षित गन्तव्यमा पुगौं।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अव सर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

Provide Health Related Services

सेवाहरू:

- मधुमेह(सुगर)
- थाइराइड रोग
- पेट,मुटु तथा छातिरोग
- कलेजो रोग
- TB, हेपाटाइटिस रोग
- ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- मोटोपना

डा. अकाश राउत
MBBS, MD (TU), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
NMC NO. 20304
आउने समय : प्रत्येक दिन (२४सै घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : *१) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन ।*
२) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९